>

Title: Need to widen the Maihar-Katni stretch of National Highway No. 7 in Madhya Pradesh.

श्री गणेश सिंह (सतना): महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान राष्ट्रीय राजमार्गों की आज जो हालत है, उसकी ओर दिलाना चाहता हूं। मेरे प्रश्न के दो पहलू हैं - एक प्रश्न राष्ट्रीय राजमार्गों की हालत अत्यंत खराब हो चुकी है, वे गढ्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, उनके सुधार के संदर्भ में है। दूसरा, जिन सड़कों को फोरलेन बनाना है, उनके एलाइनमेंट का सुधार तथा उस पर जो भूमि का अधिग्रहण हो रहा है, उसके लिए बहुत कम मुआवजा दिया जा रहा है, उसकी ओर मैं ध्यान दिलाना चाहता हूं।

महोदय, मैं विशेष रूप से मध्य प्रदेश के बारे में कहूंगा कि मध्य प्रदेश में लगभग 5000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग हैं और लगभग सारी सड़कें गढ्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, 20 किलोमीटर के रास्ते को पार करने के लिए दो से ढाई घंटे का समय लगता है। मैं विशेष रूप से अपने लोक सभा क्षेत्र सतना के बारे में बताऊंगा। सतना लोक सभा क्षेत्र में बेला से जबलपुर, जो एनएच-7 है, नौगांव से खजुराहो, सतना-बेला, सीधी-सिंगरौली, मनगवां से चाकघाट रीवां से हनुमना, भोपाल से सागर और छतरपुर, भोपाल से होशंगाबाद, जबलपुर से नांगपुर आदि कई ऐसी सड़कें हैं जिनकी हालत खराब हो चुकी है। हालांकि कई सड़कों को फोरलेन में घोषित किया गया है, लेकिन वे सारी सड़कें अत्यंत खराब हो चुकी हैं। उनमें सुधार का कार्य नहीं हो रहा है और कोई बाइपास भी नहीं दिया गया है, उसी गढ्ढे से होकर सारे वाहनों को जाना पडता है। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-7 में मैहर के पास पोडी एक गांव हैं, एनएच के किनारे है। वहां श्री राम जी दरबार का एक बहुत बड़ा मंदिर है, जहां लाखों लोगों का आना-जाना होता है। उसका थोड़ा सा हिस्सा फोरलेन के अधिग्रहण में आ रहा है। मैंने विभाग से कहा था कि इसमें थोड़ा संशोधन कर लें, मंत्री जी ने कई बार मुझे आश्वस्त भी किया, लेकिन अभी तक उसमें कारगर कार्रवाई नहीं हुई है। कृपया एलाइनमेंट में सुधार किया जाए। जो राष्ट्रीय राजमार्ग फोरलेन बनने वाले हैं, उनके लिए जो जमीन अधिग्रहीत की जा रही है, बहुत सस्ते दाम पर उसके लिए मुआवजा दिया जा रहा है जबकि हम सभी को पता है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे वाली जमीनों के दाम बहुत बढ़ चुके हैं, कहीं भी, देश के किसी भी हिस्से में 50 से 60 लाख रुपये से कम प्रति एकड़ जमीन नहीं है। लेकिन वहां पर बहुत सस्ते दाम पर जमीन अधिग्रहीत हो रही है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस पर पुनर्विचार करें और जो राजमार्ग खराब हो गए हैं, उनको चलने लायक बनाने के लिए राज्यों को पैसा उपलब्ध कराएं। मध्य प्रदेश में 188 प्रस्ताव आए थे, जिनमें से132 प्रस्तावों पर अनुमोदन हुआ है, लेकिन पैसा आज तक नहीं गया है। मेरा निवेदन है कि उनके सुधार के लिए पैसा पहुंचाया जाए। यही मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं।

श्री गोविन्द प्रसाद मिश्र (सीधी): महोदय, मैं श्री गणेश सिंह जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करता हूं।